अशोका एक्सप्रेस

ASHOKA
SMA - Ashoka Express Publication

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती

संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress
E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress
Phone : 9810674206

● वर्ष: 26 ● अंक : 43 ● नई दिल्ली ● 23 से 30 नवम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष मंत्री, श्री सर्बानंद सोनोवाल को नई दिल्ली में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और अमेज़ॅन सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (अमेज़ॅन) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए।

जाति जनगणना देश का 'एक्स-रे, राजस्थान में सत्ता में आने पर कांग्रेस यह कराएगी : राहुल

उदयपुर । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को जाति जनगणना का मुद्दा उठाया और इसे देश का एक्स-रे बताते हुए कहा कि अगर राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में आती है तो प्रदेश में जाति जनगणना कराएगी और अगर पार्टी केंद्र में सरकार बनाती है तो राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसा करेगी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने उदयपुर के वल्लभनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, अगर यह पता ही नहीं है कि किसकी आबादी कितनी है, तो हम भागीदारी के बारे में कैसे बात करेंगे। उन्होंने कहा, ''अगर हम अधिकारों की, भागीदारी की बात कर रहे हैं तो हमें यह तो पता लगाना ही पड़ेगा कि कितने लोग किस जाति, समाज के हैं। इसको हम जाति जनगणना कहते हैं। जाति जनगणना देश का एक्स-रे है। यह करवाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में आती है तो राय में जाति जनगणना कराई जाएगी और अगर पार्टी केंद्र में सरकार बनाती है तो राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसा करेगी। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा, ''जब तक कांग्रेस पार्टी है तब तक आदिवासियों के अधिकारों की हम रक्षा करेंगे। आपके साथ खड़े होकर हम आपके बच्चों को शिक्षा दिलवाएंगे, आपको निःशुल्क स्वास्थ्य सुरक्षा दिलाएंगे और आपका जल, जमीन व जंगल पर जो हक बनता है, हम वह आपको दिलवाएंगे। उद्योगपति अडाणी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, ''जेबकतरा क्या करता है जेबकतरा पहले आपका ध्यान इधर-उधर करता है, दूसरी तरफ से कोई अन्य बंदा आकर आपकी जेब काट देता है। तो नरेन्द्र मोदी जी का काम आपका ध्यान इधर उधर करने का है, पीछे से अडाणी जेब काट देता है। यह टीम है। राय में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

अच्छा भला हमारे लड़के मैच जीत जाते, पनौती ने हरवा दिया, राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर कटाक्ष

बता दें कि राहुल गांधी चुनाव प्रचार के लिए एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी का जिक्र कर निशाना साधा। इसी दौरान जनसभा में कुछ लोग पनौती पनौती चिल्लाने लगे। इस पर राहुल ने कहा, अच्छा भला वहां हमारे लड़के वहां वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन पनौती ने हरवा दिया, टीवी वाले ये नहीं कहेंगे, लेकिन जनता जानती है। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष ने भी वर्ल्ड कप में भारत की हार का जिम्मेदार पीएम मोदी को ठहराया। उन्होंने कहा, मोदी को देखकर खिलाड़ी तनाव में आ गए. मोदी को मैच में नहीं जाना चाहिए था। मोदी के वजह से हम हार गए. क्योंकि खिलाड़ी दबाव में आ गए थे. वही हार का कारण था।

राजस्थानः कांग्रेस के घोषणापत्र में 10 लाख रोजगार, किसानों को 2 लाख का ब्याज मुक्त लोन का वादा

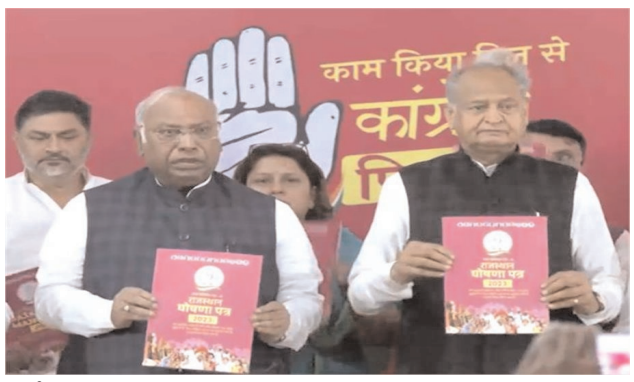

नई दिल्ली । राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र यहां मंगलवार को जारी किया जिसमें उसने किसानों को दो लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने, स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून लाने तथा युवाओं को पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियों सहित दस लाख रोजगार देने का वादा किया है। कांग्रेस ने कहा है कि वह छोटे व्यापारियों, दुकानदारों को पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाने के लिए व्यापारी क्रेडिट कार्ड योजना शुरू होगी। साथ ही घोषणा पत्र में, प्रदेश में जाति जनगणना करवाने तथा मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर की राशि बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने का भी वादा किया गया है। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में कहा है कि राय में कांग्रेस की सरकार पुनः बनने पर चिरंजीवी स्वास्थ्य सुरक्षा बीमा की राशि 25 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए की जाएगी।

इसी तरह परिवार की एक महिला सदस्य को साल में 10000 रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी और पांच साल में कुल 10 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। पंचायत स्तर पर सरकारी नौकरी का नया काडर बनाया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी के साथ यहां कांग्रेस मुख्यालय में यह जन घोषणा पत्र जारी किया। इस अवसर पर खरगे ने राजस्थान को कांग्रेस का मजबूत गढ़ बताते हुए कहा '' हम वही वादे करते हैं जो पूरा कर सकते हैं। पांच साल में हम युवाओं को 10 लाख नौकरियां देंगे। उसमें से चार लाख नौकरियां सरकारी होंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार फिर राय में कांग्रेस की सरकार आएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था इस साल के अंत तक 15 लाख करोड़ रुपये की हो जाएगी और 2030 तक इसे 30 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष डॉ जोशी ने कहा ''हम 2030 का मिशन लेकर चल रहे हैं, उसे ही घोषणा पत्र का आधार बनाया गया है। एक नया राजस्थान बनाने के लिए 2030 की कल्पना लेकर हम घोषणा पत्र पेश कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस घोषणा पत्र के आधार पर जनता कांग्रेस को जनादेश देगी।

टीवी चैनलों को सरकार की सलाह : सुरंग बचाव कार्यों से जुड़ी खबरों को सनसनीखेज बनाने से बचें

नई दिल्ली । सरकार ने मंगलवार को निजी टेलीविजन चैनलों को परामर्श जारी कर कहा कि उन्हें उत्तराखंड के सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों के बचाव अभियान से जुड़ी खबरों को सनसनीखेज बनाने से बचना चाहिए। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श में निजी समाचार चैनलों से कहा गया है कि वे अपनी खबरों के प्रसारण के दौरान संवेदनशील रहें, खासकर बचाव कार्यों से जुड़ी खबरों की हेडलाइन और वीडियो में। परामर्श में कहा गया है कि सुरंग में फंसे हुए श्रमिकों के परिवारों के सदस्यों की मनोवैज्ञानिक

स्थिति पर इन खबरों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। बचाव अभियान से जुड़े वीडियो फुटेज और अन्य तस्वीरों के प्रसारण से मौजूदा अभियान पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। परामर्श में टीवी चैनलों से कहा गया है कि वे इस मुद्दे को सनसनीखेज बनाने और सुरंग के आसपास चल रहे बचाव अभियान का सीधा प्रसारण करने से परहेज करें। इसमें समाचार चैनलों से यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि कैमरामैन, संवाददाताओं या विभिन्न उपकरणों की उपस्थिति से बचाव अभियान किसी भी तरह से बाधित नहीं हो। बता दें उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग के एक हिस्से के ढहने से उसमें फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने की मशक्कत जारी हैं। इस बीच सुरंग में फंसे मजदूरों की पहली तस्वीरें सामने आई है, जिसमें वह सेफ्टी हेलमेट लगाए हुए नजर आ रहे हैं। एक कैमरे को सुरंग के अंदर भेजा गया। कैमरे फुटेज में फंसे सभी मजदूर एक साथ दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान मजदूरों से वॉकी-टॉकी पर बात भी की गई और पाइपलाइन से उनके लिए खाना भी भेजा गया।

उत्तरकाशी टनल से मजदूर का मैसेजः मां ठीक हूं, समय पर खाना खा लेना; पहली बार कैमरे पर दिखे 41 वर्कर्स; ड्रिलिंग फिर शुरू

नीतीश कुमार सरकार का आरक्षण अधिनियम लागू

पटना । बिहार की जातीय जनगणना के आंकड़े आने के 50 दिनों के बाद अब राय में आरक्षण का संशोधित प्रावधान लागू कर दिया गया है। 21 नवंबर 2023 को बिहार गजट में प्रकाशन के साथ इसे तत्काल लागू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री थे तो जातीय जनगणना पर राज्य सरकार ने मुहर लगाई थी और उनके महागठबंधन सरकार के सीएम रहते इस जनगणना की रिपोर्ट आयी। जनगणना की रिपोर्ट पर भाजपा ने भले हंगामा किया, लेकिन

इस आधार पर आरक्षण प्रावधानों में बदलाव के सरकारी प्रस्ताव पर खुली सहमति दी। जिस दिन मुख्यमंत्री ने बिहार विधानसभा में आरक्षण में बदलाव का प्रस्ताव दिया, उसी दिन राय कैबिनेट ने इसे पास भी कर दिया। फिर बिहार विधानसभा और विधान परिषद् से पास होने के बाद छठ के दौरान रायपाल की भी सहमति आ गई। अब इसे गजट में प्रकाशित करते हुए तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

तेरी मोहब्बत में हो गए फना, मांगी थी नौकरी, मिला आटा दाल चना

पीलीभीत। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर अपनी ही सरकार पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने बेरोजगारी को लेकर शायराना अंदाज में कटाक्ष करते हुए कहा कि तेरी मोहब्बत में हो गए फना, मांगी थी नौकरी मिला आटा, दाल और चना। उन्होंने कहा कि निजीकरण की वजह से प्रदेश में पांच साल में 18 लाख लोग नौकरी से हटाए गए। वरुण गांधी ने कहा कि आठ सालों में वास्तविक वेतन मात्र एक फीसदी बढ़ा है लेकिन महंगाई कई गुना बढ़ी है। इसका असर आम लोगों पर पड़ रहा है। लोगों के पास जो जमा पूंजी थी, वह महंगाई ने खत्म कर दी। सरकार स्थाई रोजगार सिर्फ इसलिए नहीं दे रहे क्योंकि आटा, दाल और चना दे रही है। चुनाव जीतने के लिए ऐसा किया जा रहा है। सांसद बोले कि कई बार सुनते हैं कि सरकार स्थिर और स्थायी है लेकिन क्या लोग खुश हैं और उनका जीवन मजबूत है, बिल्कुल नहीं। सांसद बोले कि यूपी पहले ही बेरोजगारी की चपेट में था। अब यह 18 लाख लोगों का आंकड़ा और बढ़ा है। इसका असर करीब एक करोड़ लोगों पर पड़ा है। वरुण गांधी ने कहा कि पिछले सात वर्षों में 28 करोड़

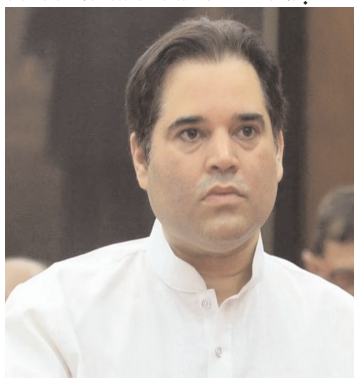

लोगों ने सरकारी नौकरी के लिए परीक्षाएं दीं पर नौकरी मात्र सात लाख लोगों को ही नौकरी मिली है। नौकरी मात्र 15 फीसदी को ही मिलती है। वरुण कहा कि पहले देश में इंजीनियर की बहुत बड़ी नौकरी मानी जाती थी पर अब इसका भी हाल खराब है। प्रत्येक वर्ष 15 लाख से अधिक इंजीनियर पढ़ाई कर निकलते हैं, लेकिन नौकरी मात्र 15 फीसदी को ही मिलती है। एक गांव का किसान कर्ज लेकर अपने बेटे को पढ़ाता है, लेकिन जब उसको नौकरी नहीं मिलती है तो सोचिए उसके दिल पर क्या गुजरती होगी। उन्होंने निजीकरण से यादातर नौकरियां संविदा पर हैं। एक अफसर या आर्मी का योद्धा बनने के लिए कितना संघर्ष करना पड़ता है। अग्निवीरों से पांच साल सेवा लेने के बाद उनको निकाला जाएगा। गांव लौटने के बाद जब उनके पास गांव में कोई काम नहीं होगा तब वह क्या करेगा यह सेना का अपमान नहीं है। बता दें कि दो दिवसीय दौरे पर पीलीभीत पहुंचे सांसद वरुण गांधी का यहां समर्थकों ने स्वागत किया। सांसद ने बीसलपुर के अभय भगवंतपुर, सोरहा, मझगवां, रड़ेता, रोहनिया भूड़ा आदि गांवों में जनसंवाद किया।

सम्पादकीय

राष्ट्र निर्माण से जुड़े रहे गांधीवादी डा. जयदेव

यह राष्ट्र निर्माण क्या है? कैसे होता है? कौन करता है? डाक्टर जयदेव के देहांत और अम्बाला में उनकी स्मृति सभा में शामिल होने के बाद से मैं इन सवालों से उलझ रहा हूं। 'राष्ट्र निर्माण' जैसा शब्द हमारे मानस पटल पर बड़े राष्ट्रीय नेताओं की तस्वीर उभारता है। हमारे मन को दिल्ली या किसी बड़े शहर की ओर ले जाता है, किसी नेता, अफसर या किसी नामी-गिरामी उद्योगपति की ओर लेकर जाता है। राष्ट्र निर्माण का जिक्र आने पर हम सरकार की बात सोचते हैं, बड़ी राष्ट्रीय नीतियों की चर्चा करते हैं। ऐसा सोचना गलत नहीं है, लेकिन केवल यही सोचना जमीन पर हो रहे राष्ट्र निर्माण को हमारी नजरों से ओझल कर देता है। आजकल राष्ट्रवाद की छिछली समझ चल निकली है। अमरीका की तर्ज पर आजकल जो पैसा कमा ले उसे रोजगार सृजक के नाम पर राष्ट्र निर्माता कह दिया जाता है। जो डिग्री देने की बड़ी दुकान खोलकर उसकी कमाई के सहारे बिजनैस के साथ राजनीति का धंधा चलाए उसे शिक्षाविद और भविष्य निर्माता बता दिया जाता है। जो टी.वी. स्टूडियो में बैठकर पड़ोसियों को गाली दे और उनके खिलाफ जनता को भड़काए उसे राष्ट्रवादी का तमगा मिल जाता है। यह हमारे राष्ट्र, राष्ट्रवाद और राष्ट्र निर्माण के साथ एक भद्दा मजाक है। इनसे इतर कभी-कभार हमारी नजर उन सामाजिक संगठनों और आंदोलनों पर भी पड़ जाती है जो देश के भविष्य के लिए कुछ बड़ा काम कर रहे हैं। अब इस दायरे में भी बड़े एन.जी.ओ. और अंतर्राष्ट्रीय संगठन आ गए हैं जो मोटी तनख्वाह देकर समाज सेवा करवाते हैं। उनके अलावा कुछ ऐसे आंदोलन भी हुए हैं जो स्वयंसेवा की परंपरा को बनाए रखते हुए अंतिम व्यक्ति के लिए कुछ कर गुजरने का संकल्प रखते हैं। इन संगठनों और आंदोलनों के बाहर भी हमारे देश में ऐसे लाखों व्यक्ति हैं जो बिना किसी सरकारी ग्रांट के, बिना किसी बड़े बैनर के और बिना किसी शोर-शराबे के अनवरत कुछ निर्माण का काम करते जाते हैं।

क्योंकि राष्ट्रवाद भी एक औपनिवेशिक खेल है

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भारतीय टीम की हार पर हुई प्रतिक्रियाओं ने यह प्रमाणित कर दिया है कि सिर्फ क्रिकेट ही नहीं राष्ट्रवाद भी एक औपनिवेशिक खेल है और इसे जितना देसी और भारतीय बनाने की कोशिश की गई उतना ही भारत विभाजन और नैतिक पतन का शिकार हुआ है। क्योंकि औपनिवेशिक योजना अपने मुनाफे और साम्राज्य का विस्तार विभाजन के आधार पर ही करती है।अपने क्रीडा कौशल, संकल्प, रणनीति और दृढ़ निश्चय से कोलाहल भरे मोदी स्टेडियम के डेढ़ लाख दर्शकों और भारत के डेढ़ अरब क्रिकेट प्रेमियों को खामोश करने वाले आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की इस जीत पर भारतीय प्रतिक्रियाएं खेल भावना और वैश्विक भावना के अनुरूप नहीं है। कुछ प्रोफेशनल खेल पत्रकारों और मुक्त हृदय के दर्शकों की बात छोड़ दी जाए तो बड़े पैमाने पर आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को गाली देने और उनकी हर हरकत की आलोचना की रवायत चल पड़ी है। हालांकि 2023 में अहमदाबाद के दर्शकों ने वह नहीं किया जो 1996 में कोलकाता में श्रीलंका की टीम से हारने के बाद बंगाल के उन्मादी दर्शकों ने किया था। कोलकाता के दर्शकों ने तो मैदान में बोतलें फेंकी थीं और मैदान में घुसकर अखबार और दूसरी सामग्री जला कर ऐसा माहौल बना दिया था कि खेल पूरा ही नहीं हो पाया और श्रीलंका को उसके प्रदर्शन के आधार पर ही जीत का खिताब दे दिया गया। सही है कि अहमदाबाद के लोगों का बर्ताव उससे बेहतर थालेकिन उनका व्यवहार और भी गरिमापूर्ण हो सकता था जो नहीं हुआ। मसलन भारतीय टीम को हारते देखकर मैदान खाली हो गया। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ट्रेविस हेड के शतक की सूचना देने में कमेंट्रेटर तो झिझक ही रहा था और दर्शकों ने भी उसका करतल ध्वनि के बजाय सन्नाटे के साथ स्वागत किया। बाद में आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को सोशल मीडिया पर गालियां देने की महान भारतीय संस्कृति का परिचय देने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी गई। उससे पहले पाकिस्तान टीम के साथ खेले गए मैच में जो कुछ हुआ उसका जिक्र तो शर्मशार कर देता है। इस बीच सोशल मीडिया के राष्ट्रवादी वीरों को आस्ट्रेलिया की आलोचना का एक और मौका मिल गया है और वो है विश्व कप पर पैर रखकर आराम फरमा रहे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। यह चित्र वायरल हुआ है और मार्श की इस मुद्रा की तीखी आलोचना हो रही है बिना यह समझे हुए कि दोनों देशों की संस्कृतियों में अंतर है और शायद वहां पूजा की वह भावना नहीं है जो भारत में है। इसके अलावा विश्व कप दिए जाने के दौरान खाली स्टेडियम का चित्र और ड्रेसिंग रूप में खिलाड़ियों से मिलने गए नरेंद्र मोदी से आलिंगन कर रहे मोहम्मद शामी की तस्वीर भी बहुत चर्चित हो रही है। लेकिन यह तस्वीरें और प्रतिक्रियाएं हमें बहुत कुछ सोचने पर मजबूर करती हैं। अपने एक वरिष्ठ समाजवादी साथी राजकुमार जैन ने ठीक ही चिंता व्यक्त की है कि क्या देश में क्रिकेट ही एक खेल रह गया हैऔर बाकी देसी खेल मर गए हैं। आखिर क्यों इसे इतना प्रोत्साहित किया जा रहा है और इसे देश की धड़कन ही नहीं एक राष्ट्रधर्म बना दिया गया है। उन्होंने सही लिखा है कि यह खेल इंग्लैंड के हाउस आफ लार्ड्स के शहजादों के लिए ईजाद किया गया था और इसने भले भी आम लोगों के बीच में अपनी पैठ बनाई लेकिन इसने दूसरे खेलों का दमन करने के साथ अंतरराष्ट्रीय पूंजीवाद के साथ अपना रिश्ता जोड़ लिया है। यह रिश्ता सिर्फ मीडिया कवरेज में ही नहीं दिखता बल्कि एक से दो लाख तक होने वाले टिकटों के ब्लैक पर भी दिखता है और अस्पताल में फुल बॉडी चेकअप के नाम पर ठहरे दर्शकों के झूठे व्यवहार को देखकर इसके चरित्र का पता चलता है। यानी सब कुछ मनोरंजन, वैभव प्रदर्शन और मुनाफे के लिए है। इस दौरान जीत बहुत जरूरी है क्योंकि शक्ति और धन उसी से मिलता है। कॉरपोरेट पूंजीवाद और राष्ट्रवाद के इस गठजोड़ को समझे बिना हम न तो अहमदाबाद की घटना को समझ सकते हैं और न ही विश्व कप में हुई हार पर प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों की प्रतिक्रिया को। भारतीय टीम की हार के बाद प्रधानमंत्री का उन खिलाड़ियों के पास जाकर उनकी पीठ थपथपाना और उन्हें ढांढस बंधाने की कोशिश अच्छी थी। हालांकि राष्ट्रवाद इस तरह का स्नेहलेपन करता है। पर जब खिलाड़ियो के वास्तविक सम्मान या सत्ता से न्याय की बात आती है तो महिला पहलवानों जैसी स्थिति हो जाती है। पूरे विश्वकप में भारतीय टीम ने अच्छे खेल का प्रदर्शन भी किया था। सिर्फ फाइनल में हार जाने से बाकी मैचों में उसकी टीम भावना और खेल कौशल को खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन कल्पना कीजिए कि अगर भारतीय टीम विश्व कप जीत गई हो गई होती तो क्या होता? या अगर यह टीम पाकिस्तान से भिड़ी होती और मैच हार गई होती तो क्या होता? पहली स्थिति में पूरे देश में एक राष्ट्रीय उन्माद पैदा किया जाता और उससे तेलंगाना और राजस्थान के मैच जीतने के साथ ही 2024 का चुनाव भी जीतने में मदद ली जाती। अगर पाकिस्तान से भारतीय टीम हार गई होती तो बहुत तरह की कुंठाएं व्यक्त की जातीं जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती। दरअसल सिर्फ क्रिकेट ही नहीं बल्कि आधुनिक राष्ट्रवाद भी औपनिवेशिक प्रसाद है और भारत समेत दुनिया के अन्य पूर्व उपनिवेश इनकी चपेट में है। राष्ट्र के विचार के साथ जुड़ी बुराइयों की ओर संकेत करते हुए कभी रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था, क्क्क्राष्ट्र का विचार मानव द्वारा आविष्कृत बेहोशी की सबसे शक्तिशाली दवा है। इसके धुएं के असर से पूरा देश , नैतिक विकृति के प्रति बिना सचेत हुए स्वार्थसिद्धि के सांघातिक कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से लागू कर सकता है।वस्तुतः वह खतरनाक तरीके से बदला लेने के बारे में भी सोच सकता है, यदि उसे इसका भान करा दिया जाए।'' राष्ट्र का विचार किस प्रकार मानवता को विकलांग कर देता है उसकी चर्चा टैगोर ने आगे की है। उनका कहना है, क्क्क्राष्ट्र विकलांग मानवता पर लंबे समय से फलता फूलता रहा है। ईश्वर की श्रेष्ठ कृति मानव, युद्ध व पैसा बनानेवाली कठपुतलियों की तरह इसी राष्ट्रीय कारखाने से बड़ी तादाद से निकलता रहा है। यांत्रिकी की दयनीय पूर्णता के हास्यास्पद व व्यर्थ प्रयास के रूप में। मानव समाज राजनीतिज्ञों, सैनिकों, उत्पादकों व नौकरशाहों द्वारा कठपुतली प्रदर्शन के रूप में ही ज्यादा विकसित होता जा रहा है जिसके धागे मनोहारी कौशल द्वारा इन्हीं लोगों द्वारा खींचे जाते हैं।'' टैगोर राष्ट्रवाद की आलोचना करते हुए यहीं नहीं रुकते बल्कि यह भी कहते हैं कि पहले उन्हें लगता था कि यूरोप ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है लेकिन जबसे राष्ट्र का खतरनाक रूप, विशेष तौर पर विश्वयुद्ध के दौरान सामने आया, तबसे वे मानने लगे कि वह इस आधुनिक संस्था के माध्यम से मानवता की बहुत बड़ी क्षति कर रहा है।

खत्म नहीं हुई है गहलोत और वसुंधरा की राजनीति, सीएम पद हासिल करने के लिए दोनों ने बनाई है रणनीति

विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी इस बात के लिए पूरी मेहनत कर रही है कि राज्य में हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज इस बार टूट जाये। वहीं भाजपा का प्रयास है कि हर पांच साल में सरकार बदलने के रिवाज का उसे लाभ हो लेकिन सीटों की संख्या इतनी ज्यादा मिले जिससे यह प्रकट हो सके कि अशोक गहलोत सरकार से जनता कितनी नाराज थी। राजस्थान में रिवाज बदलेगा या राज यह तो तीन दिसंबर को पता चलेगा। लेकिन एक बात तो है कि राजस्थान का चुनावी रण इस बार हाल के कई चुनावों से बदला-बदला नजर आ रहा है। राजस्थान में अरसे बाद ऐसा हुआ है जब भाजपा और कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह चुनाव से पहले तय नहीं है। लेकिन अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे यह मान कर बैठे हैं कि मुख्यमंत्री पद घूम फिरकर उनके पास आना ही है। कांग्रेस की ही बात करें तो अशोक गहलोत स्पष्ट कर चुके हैं कि वह तो मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहते हैं लेकिन यह पद उन्हें नहीं छोड़ता। यानि मतलब साफ है कि गहलोत मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने हुए हैं। वहीं सचिन पायलट कह रहे हैं कि उनके सारे मुद्दे कांग्रेस आलाकमान ने सुलझा दिये हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि उन्हें यह आश्वासन मिल गया है कि यदि कांग्रेस की सरकार दोबारा बनती है तो मुख्यमंत्री पद उन्हें ही मिलेगा। टिकट वितरण के दौरान भी जिस तरह गहलोत समर्थकों की बजाय सचिन खेमे के लोगों को तरजीह दी गयी उससे भी भविष्य के संकेत मिल गये थे लेकिन गहलोत फिलहाल सबकुछ चुपचाप देख रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उन्हें कब कौन-सा कदम उठाना है। दूसरी ओर भाजपा की बात करें तो 2003 के बाद यह राजस्थान का पहला विधानसभा चुनाव है जिसमें भाजपा का नेतृत्व वसुंधरा राजे नहीं कर रही हैं। वसुंधरा राजे का नाम भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं आना, परिवर्तन यात्राओं का नेतृत्व उन्हें नहीं दिया जाना, वसुंधरा समर्थक नेताओं कैलाश मेघवाल और युनूस खान जैसे वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटना तथा वसुंधरा समर्थक कुछ विधायकों की सीटों में परिवर्तन कर भाजपा नेतृत्व ने संकेत दे दिया था कि मुख्यमंत्री की कुर्सी वसुंधरा राजे से दूर हो गयी है। यही नहीं, भाजपा की पहली सूची आने

के बाद जिस तरह वसुंधरा राजे को खुद का टिकट हासिल करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी और एक जनसभा में अपनी रिटायरमेंट की बात तक कहनी पड़ी, वह दर्शाता है कि अपने राजनीतिक भविष्य का वसुंधरा राजे को अहसास हो चुका है लेकिन वह हार मानने के लिए कतई तैयार नहीं हैं।

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर माना जाता है तो दूसरी ओर वसुंधरा राजे के बारे में कहा जाता है कि भाजपा में आखिरकार वही होता है जो महारानी चाहती हैं। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भले हों लेकिन दोनों को अच्छा मित्र भी माना जाता है। चुनाव के दौरान दोनों भले एक दूसरे पर निशाना साधें और भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगायें लेकिन अपने मुख्यमंत्रित्वकाल के दौरान दोनों एक दूसरे के खिलाफ कोई जांच नहीं कराते। यही नहीं, जब वसुंधरा विपक्ष में हों तब वह सुनिश्चित करती हैं कि उनकी पार्टी की वजह से गहलोत की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कोई संकट नहीं आये। यही काम गहलोत विपक्ष में रहने के दौरान करते हैं। पिछले दिनों अशोक गहलोत ने खुद बताया था कि जब सचिन पायलट ने बगावत की थी तो वसुंधरा राजे ने भाजपा की ओर से उनकी सरकार गिराने की कोशिशों का विरोध किया था। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे की राजनीतिक शख्सियत की बात करें तो दोनों नेताओं के आगे उनकी पार्टी का आलाकमान अब तक नतमस्तक होता रहा है। अशोक गहलोत का प्रभाव तब देखने को मिला था जब उन्होंने सचिन पायलट का साथ दे रहे कांग्रेस आलाकमान के समक्ष अपनी ताकत का खुलकर इजहार किया था। कांग्रेस के तत्कालीन केंद्रीय पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन मुख्यमंत्री निवास पर पार्टी विधायक दल की बैठक होने का इंतजार करते रह गये और बैठक कहीं और हो गयी थी। यही नहीं अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की बजाय राजस्थान का मुख्यमंत्री बने रहने को तवज्जो देकर गांधी परिवार को सकते में डाल दिया था। वहीं राजस्थान भाजपा में भी 2003 से वही होता रहा है जो वसुंधरा राजे चाहती रही हैं। वसुंधरा राजे के खिलाफ पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जैसे दिग्गजों ने भी अभियान चलाया था लेकिन उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाये थे। किरोड़ी लाल मीणा और घनश्याम तिवाड़ी जैसे नेता वसुंधरा विरोध में भाजपा छोड़ गये लेकिन फिर वापस पार्टी में लौटना ही पड़ा। देखा जाये तो चाहे नेता प्रतिपक्ष का पद हो, मुख्यमंत्री पद हो, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद हो... भाजपा को आखिरकार वसुंधरा राजे की ही बात माननी पड़ती थी लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। बहरहाल, चाहे गहलोत हों या वसुंधरा, दोनों ही नेताओं की राजनीति को अभी खत्म नहीं समझा जा सकता। दोनों ही राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हैं। दोनों ही नेता चुनावों की वजह से अभी ज्यादा बोल नहीं रहे हैं और आक्रामक तेवर नहीं दिखा रहे हैं लेकिन दोनों ही नेता जानते हैं कि अपनी अपनी पार्टी को जीत मिलने की स्थिति में मुख्यमंत्री पद तक कैसे पहुँचना है। दोनों ही नेता इसके लिए जमीनी स्तर पर काम भी कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे की मुश्किल उतनी नहीं बढ़ा रहे हैं जितनी मुश्किल इन दोनों ही पार्टियों के बागी नेता, अधिकृत उम्मीदवारों की बढ़ा रहे हैं। माना जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ बागी उम्मीदवारों को खड़ा करने के पीछे कहीं ना कहीं अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे का ही हाथ है। दोनों नेताओं की रणनीति यह है कि उनकी पार्टी स्पष्ट बहुमत हासिल करने से कुछ पीछे रह जायें। यदि ऐसी स्थिति बनती है तो वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत को अपना राजनीतिक कौशल दिखाने का मौका एक बार फिर मिलेगा और अब सिर्फ यही वह रास्ता है जो उन्हें मुख्यमंत्री पद तक पहुँचा सकता है। देखना होगा कि वसुधंरा और गहलोत की यह आस पूरी होती है या फिर राजस्थान की जनता स्पष्ट बहुमत वाला जनादेश देती है। फिलहाल तो गहलोत और वसुंधरा का पूरा जोर अपनी अपनी सीट जीत कर विधानसभा पहुँचने पर लगा हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें।

कौन हैं प्लस साइज मॉडल जेन दीपिका गैरेट

जिन्होंने मिस यूनिवर्स में रैंप वॉक से मचाया तहलका

निकारागुआ की शेनिस पलाशियो साल 2023 का मिस यूनिवर्स बन गई हैं. जहां एक ओर सोशल मीडिया पर शेनिस की फोटोज और उनके बारे में जानने के लिए लोग एक्साइटेड हैं तो वहीं ये पेजेंट इस बार कई वजहों से सुर्खियों में रहा. इस बार ना केवल ट्रांस जेंडर कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया बल्कि प्लस साइज की मॉडल ने भी इंटरनेशनल ब्यूटी पैजेंट में नजर आई. जानिए पहली प्लस साइज मॉडल कौन हैं जिन्होंने मिस यूनिवर्स 2023 में हिस्सा लेकर इतिहास रच दिया.मिस यूनिवर्स 2023 में नेपाल की जेन दीपिका गैरेट ने हिस्सा लिया. इस पेजेंट में हिस्सा लेने वाली जेन पहली प्लस साइज मॉडल बन गई हैं. जेन दीपिका की उम्र महज 22 साल हैं. इन्होंने अल साल्वाडोर में आयोजित इस ब्यूटी पेजेंट में रैंप वॉक किया. जेन कॉन्फिडेंस ने लोगों का ध्यान खींचा और उनकी रैंप वॉक की फोटोज मिनटों में वायरल हो गई. जब भी किसी पेजेंट की बात आती है तो दुबली पलती और दिखने वाली मॉडल ही रैंप पर नजर आती है. लेकिन नेपाल की जेन दीपिका गैरेट ने रैंप वॉक करके सभी विचारधाराओं को तोड़ा. इतना ही नहीं उनके कॉन्फिडेंस ने सभी को इंप्रेस भी किया. जेन का मानना है कि सभी ब्यूटी को, साइज ही परवाह किए बगैर ब्यूटी सेक्टर में खुद को रिप्रेजेंट करने की जरूरत है. मिस यूनिवर्स में हिस्सा लेने के अलावा जेन नर्स और बिजनेस डेवलेपर भी हैं. जेन ने महिलाओं में हार्मोनल और मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयरनेस फैलाने का भी काम किया है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जेन का वजन हार्मोनल प्रॉब्लम्स की वजह से बढ़ा है. निजी लाइफ की बात करें तो जेन नेपाल के काठमांडू से है. इनका जन्म अमेरिका में हुआ था.

जॉन अब्राहम का वीडियो देख फैंस को हुई चिंता, सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा कर पूछा हाल

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम अपनी फिल्मों को लेकर अक्सर सुर्खियों में छाए रहते हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर उनके फैंस हैरान हो गए हैं। जॉन अब्राहम पैपराजी की नजरों से हमेशा दूरी बनाकर रखते हैं। ऐसे में हाल ही में अभिनेता ने अपने एक क्रेजी फैन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। उनके फैन ने सोशल मीडिया पर जॉन का यह वीडियो साझा किया है। जॉन अब्राहम इस वीडियो में बेहद खुश और अच्छे मूड में दिखाई दे रहे हैं। उनका यह वीडियो देखने के बाद उनके फैंस हैरान हो गए हैं। फैन द्वारा साझा किए गए वीडियो में जॉन अब्राहम ने जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, अरे यश, तुम्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ढेर सारा प्यार, अपना ख्याल रखना, आपका दिन मंगलमय हो और आने वाला वर्ष भी मंगलमय हो। इस वीडियो में जॉन की आवाज से पता चल रहा है कि वह बेहद खुश हैं। उन्होंने पूरे उत्साह के साथ फैन को जन्मदिन

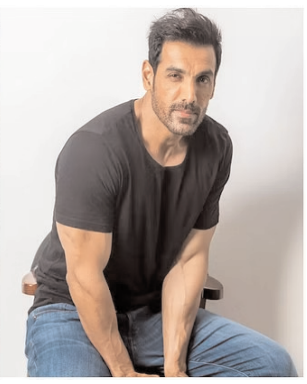

की बधाई दी है। यह सब देखकर उनके प्रशंसकों को आश्चर्य हुआ कि क्या जॉन ठीक हैं। इस वीडियो में जॉन अब्राहम के चेहरे पर कई झुर्रियां दिखाई दे रही हैं। साथ ही उन्होंने छोटा हेयरस्टाइल रखा है। एक फैन ने वीडियो के स्क्रीनशॉट को साझा करते हुए पूछा कि क्या जॉन ठीक हैं? इस पर काफी लोगों ने कहा कि उम्र के साथ ऐसा होता है। बता दें कि जॉन की उम्र 50 वर्ष है। वहीं एक यूजर ने कहा, वो तो ठीक है। ऐसा लगता है कि उसके चेहरे पर बहुत सारी झुर्रियां हैं, शायद भारी कसरत और दवाओं का दुष्प्रभाव है। इसके अलावा, वह मेकअप में भी नहीं दिखते। इसलिए उनका चेहरा उसकी उम्र के आदमी के लिए प्राकृतिक चेहरे के बहुत करीब है। जॉन अब्राहम के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह शाहरुख खान के साथ पठान में खलनायक की भूमिका में दिखाई दिए थे। उनके प्रदर्शन की दर्शकों ने खूब सराहना की थी। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट में तेहरान, फोर्स 3 और वेदा शामिल है।

मुट्ठी भर बजट में बनी फिल्म ने कमाए थे 450 करोड़, अब पब्लिक डिमांड पर इस दिन से शुरू हो रही दूसरे पार्ट की शूटिंग, सेट तैयार

30 सितंबर 2022 में एक फिल्म रिलीज हुई कांतारा. ये एक साउथ मूवी थी. जिसे हिंदी में डब करके रिलीज किया गया. जब ये फिल्म बन रही थी तब किसी ने भी इसके बजट और कलेक्शन के बारे में कोई अनुमान नहीं लगाया होगा. लेकिन जब ये रिलीज हुई तो वो छोटा पैकेट बड़ा धमाका वाला सीन हो गया. बेहद कम बजट और किसी बड़े स्टार के बिना बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसे झंडे गाडे कि इसकी गूंज कई दिनों तक सुनाई दी ऋषभ शेट्टी ने ही फिल्म की कहानी लिखी थी तो वहीं इसका निर्देशन भी उन्होंने ही किया. इतना ही नहीं फिल्म के साथ वो पूरा न्याय चाहते थे लिहाजा लीड किरदार को भी उन्होंने ही जीया और जैसा निभाया उसे देख लोगों के रोंगटे खड़े हो गए थे. फिल्म का बजट महज 16 करोड़ रहा. बेहद ही कम बजट में फिल्म को बनाकर तैयार कर लिया गया था. जब इसे रिलीज किया गया तब किसी को अंदाजा नहीं था

कि ये क्या कमाल करने वाली है. लेकिन रिलीज के बाद ये छा गई और देखते ही देखते 450 करोड़ से यादा कमा डाले. इस फिल्म से दर्शक इतने इम्प्रेस हुए कि इसके अगले पार्ट की डिमांड होने लगी. लिहाजा ऐलान कर दिया गया था और अब इसी महीने की 27 तारीख को मुहूर्त के साथ कांतारा पार्ट 2 की शूटिंग शुरू हो रही है. 27 नवंबर को पूजा की जाएगी. कहा जा रहा है कि ये कांतारा का प्रीक्वल होगा यानि फिल्म के पहले की कहानी दिखाई जाएगी. इस पीरियड ड्रामा के लिए एक बड़ा और ग्रैंड सेट बनाया जा रहा है. मुहूर्त शॉट में अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी, निर्माता विजय किरागंदूर और दूसरे कलाकार मौजूद रहने वाले हैं जिसके बाद इसकी ऑफिशियल फोटोग्राफी भी होगी. हालांकि नए पार्ट में कास्ट में कितना बदलाव होगा इसे लेकर कोई खुलासा नहीं किया गया है.

अवॉर्ड से चूकीं शेफाली शाह, इस अभिनेत्री की झोली में गिरा बेस्ट एक्ट्रेस का एमी पुरस्कार

अभिनेत्री शेफाली शाह को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2023 में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए नामांकित किया गया था। शेफाली को दिल्ली क्राइम सीजन 2 के लिए अभिनेत्रियों की श्रेणी में यह नॉमिनेशन मिला था। हालांकि, यह अवॉर्ड अभिनेत्री की झोली में नहीं आ पाया है। बेस्ट परफॉर्मेंस का अवॉर्ड एक्ट्रेस कार्ला सूजा ने मैक्सिकन सीरीज ला कैडा के लिए जीत लिया है। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड के आधिकारिक एक्स हैंडल से यह जानकारी साझा की गई है। बेस्ट एक्ट्रेस

श्रेणी में विजेता की जानकारी इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2023 के आधिकारिक एक्स अकाउंट से साझा की गई है। इसमें लिखा गया है, ला कैडा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस, इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड कार्ला सूजा को जाता है। शेफाली शाह के अलावा एमी अवॉर्ड में जिम सर्भ भी अवॉर्ड से चूक गए हैं। बता दें कि उन्हें रॉकेट बॉयज के लिए नॉमिनेट किया गया है। हालांकि, 51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में वीर दास ने बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने अपनी स्टैंड-अप लैंडिंग के लिए बड़ी जीत हासिल की है। बता दें कि 48वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में दिल्ली क्राइम के पहले सीजन की झोली पुरस्कार आया था। सीरीज को बेस्ट ड्रामा सीरीज की केटेगरी में जीत मिली थी। बता दें कि इस सीरीज के दोनों सीजन में अभिनेत्री शेफाली शाह डीसीपी वर्तिका चुतर्वेदी के किरदार में नजर आई हैं। दिल्ली क्राइम 2 का निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है। उनके साथ राजेश तिलंग और रसिका दुग्गल भी थे। बता दें कि एमी अवॉर्ड्स में शेफाली शाह के अलावा इस साल बेस्ट एक्ट्रेस की लिस्ट में नॉमिनेटेड सेलेब्स में डेनिश सीरीज ड्रोमेरेन के लिए कोनी नीलसन और ब्रिटिश शो आई हेट सुजी टू के लिए बिली पाइपर, ला कैडा के लिए कार्ला सूजा थे।

किच्चा सुदीप ने किया नंदी अवॉर्ड्स का उद्घाटन, कन्नड़ कलाकारों को किया जाएगा सम्मानित

यूं तो सिनेमा जगत में बॉलीवुड से लेकर साउथ तक के सितारों को कई अवॉर्ड दिए जाते हैं, लेकिन कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री एक खास पुरस्कार को दोबारा शुरू करने जा रही है। दरअसल, कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री इस साल नंदी पुरस्कारों को दोबारा शुरू करने की पूरी तैयारी कर चुकी है। यह अवॉर्ड फंक्शन अगले महीने दिसंबर में आयोजित किया जाएगा और इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। नंदी फिल्म अवार्ड्स 2023 का उद्घाटन अभिनेता किच्चा सुदीप ने हाल ही में बेंगलुरु में किया, जहां उन्होंने इसको लेकर अपने विचार भी साझा किए। किच्चा सुदीप ने नंदी अवॉर्ड्स का उद्घाटन करते हुए कहा, संस्थापक को शुभकामनाएं। मैंने 2003-2004 में पुरस्कार कार्यक्रम में जाना बंद कर दिया था। उसका कुछ और कारण है। हालांकि, मुझे उम्मीद है कि यह पुरस्कार योग्य कलाकारों को दिया जाएगा। उनका मानना है कि कई कलाकार अपने काम के लिए मान्यता और पुरस्कार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं इसलिए, ऐसे लोगों को सम्मानित किया जाना चाहिए। किच्चा सुदीप ने उद्घाटन के दौरान कहा, पुरस्कार के नाम नंदी की तरह, कार्यक्रम भी उतना ही पवित्र होना चाहिए। किच्चा सुदीप ने यह भी कहा कि कर्नाटक फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे अवॉर्ड शो की कमी है, जिसकी कोई उम्मीद कर सके। उनकी इच्छा है कि नंदी पुरस्कार कुछ अलग हों। इस पुरस्कार को नंदी इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह भगवान शिव का वाहन है, जो कन्नड़ लोगों के लिए एक शक्तिशाली प्रतीक है।

टाइगर 3 की सफलता की सनी देओल ने दी सलमान खान को बधाई, अनदेखी तस्वीर साझा कर कही यह बात

सलमान खान और कटरीना कैफ स्टारर फिल्म टाइगर- 3 को दिवाली के दिन रिलीज किया गया था। टाइगर- 3 रिलीज के दूसरे हफ्ते भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। बीते सोमवार तक टाइगर 3 का कुल कलेक्शन 236.43 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, अब सनी देओल ने सलमान खान को फिल्म टाइगर 3 की सफलता की बधाई दी है। गदर 2 अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अनदेखी तस्वीर साझा कर अनोखे अंदाज में अपनी खुशी जाहिर की है। सनी देओल की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सनी देओल ने सोमवार देर रात आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी सलमान खान के साथ एक अनदेखी तस्वीर साझा की है। तस्वीर में सनी देओल सलमान खान के

कंधे पर हाथ रखे पोज देते नजर आ रहे हैं। साझा की गई तस्वीर में सनी देओल ग्रे टी-शर्ट और ऊपर ब्लेजर पहने काफी हैंडसम लग रहे है, वहीं सलमान खान नीली शर्ट पहने हुए दिख रहे हैं। गदर 2 अभिनेता ने यह पोस्ट साझा कर कैप्शन में लिखा, जीत गए। इस पोस्ट में जिस चीज ने सबका ध्यान खींचा वह है सनी देओल के पोस्ट का कैप्शन। सोशल मीडिया यूजर्स ने कैप्शन को देख कयास लगाने शुरू कर दिए हैं कि दोनों सितारे फिल्म जीत का सीक्वल लेकर तो नहीं आ रहे हैं। बता दें कि, साल 1996 में रिलीज हुई फिल्म जीत में सनी देओल, सलमान खान, करिश्मा कपूर और तब्बू ने मुख्य भूमिका में नजर आए थे। सनी देओल की पोस्ट पर यूजर जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

...तो जमीन सूख जाएगी, पानी गायब हो जाएगा; सुप्रीम कोर्ट ने क्यों और किसे चेताया, कहा- राजनीति भूल जाओ

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण और पराली जलाए जाने की घटना पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त टिप्पणी की और कहा कि अगर आरोप-प्रत्यारोप का खेल चलता रहा तो जमीन सूख जाएगी और पानी गायब हो जाएगा. दरअसल, पराली जलाए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पंजाब सरकार और केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर राजनीति को भूल जाना चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि प्रदूषण को कम करने के लिए यह कैसे करना है.

अगर आरोप-प्रत्यारोप का खेल जारी रहाज तो जमीन सूख जाएगी, पानी गायब हो जाएगा, सब एमएसपी के कारण. कोई भी कुछ समूहों को नाराज नहीं करना चाहता. सबके अपने-अपने निहित स्वार्थ हैं. दरअसल, कोर्ट ने पंजाब सरकार से राय मांगी है कि क्या किसानों को फ्री मशीन उपलब्ध कराने से लेकर डीजल, मैनपावर उपलब्ध कराने तक सब कुछ मुफ्त उपलब्ध कराया जा सकता है? जस्टिस कॉल ने कहा कि पंजाब में भूमि धीरे-धीरे शुष्क होती जा रही है क्योंकि जल स्तर कम होता जा रहा है. अगर जमीन सूख गई तो बाकी सब चीजें प्रभावित होंगी. कहीं न कहीं किसानों को धान उगाने के दुष्परिणामों को समझना चाहिए या समझाया जाना चाहिए. इस पर पंजाब सरकार के वकील ने कहा कि किसानों ने कहा है कि वे धान नहीं उगाना चाहते हैं, बल्कि एमएसपी के मुद्दे के कारण ही उगाना चाहते हैं. इस पर जस्टिस कौल ने पंजाब के वकील से कहा कि कृपया पता लगाएं कि आप धान को कैसे हतोत्साहित कर सकते हैं और वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहित कर सकते हैं. वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि वो किसानों को दिए जाने वाले इंसेंटिव को लेकर हरियाणा से सीख ले. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा

कि किसान को विलेन बनाया जा रहा है और उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है. उसके पास पराली जलाने के कुछ कारण होंगे. हमे इसपर विचार करने की जरूरत है कि आखिर ऐसा हो क्यो रहा है. कोर्ट ने माना कि खेतों में आग लगाने की घटना में कमी नहीं आई है. पंजाब सरकार के मुताबिक 984 एफआईआर दर्ज किए गए हैं. दरअसल, दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने के मसले पर सख्त टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के माध्यम से केंद्र सरकार से कहा कि जो किसान पराली जला रहे हैं, उन्हें एमएसपी का लाभ नहीं मिलना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिहार में किसान पराली को जलाते नहीं, बल्कि अपने हाथों से काटते हैं. सुनवाई से पहले पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया और पंजाब सरकार ने कहा कि पराली जलाए जाने को लेकर 2 करोड़ हर्जाना वसूला गया है.

पंजाब सरकार ने कहा पंजाब के 6 जिले में पूरी तरीके से पराली नहीं जलाया गया है. इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चे और बीमार लोग प्रभावित हो रहे हैं और पराली जलाना बदस्तूर जारी है. जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि ऐसी फसलों पर इमसेंटिव दिया जाए जिनके अपशिष्ट जलाने की जरूरत ना पड़े. इंसेंटिव एमएसपी जैसा हो. इसके बाद पंजाब सरकार ने कहा कि हमने पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है और करीब 100 एफआईआर दर्ज किया है.

इस पर जस्टिस कौल ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले लोगों को आर्थिक लाभ क्यों मिले? सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा जो किसान पराली जला रहे हैं, उन्हें एमएसपी का लाभ नहीं मिलना चाहिए. कोर्ट ने आगे कहा कि जो लोग पराली जलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि केवल जुर्माना लगाया है? पंजाब सरकार ने कहा कि जुर्माना लगाया है और वसूला भी जा रहा है. सरकार की तरफ से जो मशीनें दी गई हैं, उस पर 80 फीसदी की सब्सिडी दी जा रही है.

पंजाब सरकार ने कहा अन्य फसलों पर भी सब्सिडी दिए जाने की जरूरत है. इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक समस्या यह है कि जो लोग पराली जला रहे हैं वे यहां नहीं आएंगे. बिहार में वे इसे अपने हाथों से काटते हैं. हम समझते हैं कि जिन लोगों के पास पर्याप्त जोत है, उनके पास मशीनीकृत कटाई के साधन हैं, लेकिन छोटी जोत वाले लोग पराली जलाने को लेकर संघर्ष कर रहे हैं.

कोर्ट से मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली । दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को ईडी मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में पेशी के लिए लगाया गया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में मनीष सिसोदिया और अन्य की न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ा दी है। अभी वह तिहाड़ जेल में बंद है। छोटी दिवाली के दिन राउज एवेन्यू कोर्ट की अनुमति के बाद दिल्ली पुलिस पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को उनकी बीमार पत्नी से मिलवाने लेकर पहुंची थी। सिसोदिया ने अपनी बीमार पत्नी से मुलाकात की थी। मिली जानकारी के मुताबिक, कोर्ट ने इस मामले की विस्तार से सुनवाई की और कहा कि ईडी द्वारा आरोपी व्यक्तियों को कई दस्तावेज दाखिल करना बाकी हैं। इस बीच कोर्ट ने वकीलों से नाराजगी जताते हुए कहा कि 207 सीआरपीसी का अनुपालन जल्द से जल्द पूरा करें ताकि सुनवाई शुरू हो सके। अदालत ने ईडी को भी नोटिस जारी किया है। बेनॉय बाबू की अंतरिम जमानत याचिका पर बहस के लिए 24 नवंबर की तारीख तय की है। दिल्ली कोर्ट ने सिसोदिया को छोटी दिवाली के दिन सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक मिलने की अनुमति दी थी। पत्नी से मिलने के बाद वे फिर से पुलिस वाहन में तिहाड़ चले गए। इससे पहले हाईकोर्ट ने जून में भी उन्हें पत्नी सीमा से मिलने की अनुमति दी थी, लेकिन वह मुलाकात नहीं कर सके थे। उस समय पत्नी की तबीयत अचानक खराब होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सीमा मल्टीपल स्केलेरोसिस से पीड़ित हैं। सिसोदिया ने एक आवेदन दायर कर हिरासत में रहते हुए अपनी बीमार पत्नी से पांच दिनों की अवधि के लिए मिलने की अनुमति मांगी थी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने कल सिसोदिया की अर्जी पर सुनवाई की थी। कोर्ट दिल्ली एक्साइज पॉलिसी से जुड़े सीबीआई और ईडी के मामलों की सुनवाई कर रही है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सीबीआई के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी आरोपी हैं। दोनों मामलों में सिसोदिया और अन्य आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किए जा चुके हैं। हाल ही में भारत के सर्वोच न्यायालय ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उनकी पिछली जमानत अर्जी हाई कोर्ट के साथ-साथ ट्रायल कोर्ट ने भी खारिज कर दी थी। हालांकि जून में उच न्यायालय ने उन्हें हिरासत में अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति दे दी थी। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में आप सांसद संजय सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। वह न्यायिक हिरासत में हैं और शुक्रवार को संबंधित अदालत में सिसोदिया को पेश किया गया। इस मामले में ईडी ने 9 मार्च को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। इससे पहले उन्हें 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

दिव्यांग बचों के लिए राहुल गांधी ने बनाई डेस्क, कांग्रेस ने इस स्कूल को की डोनेट; लवली ने दिया मैसेज

नई दिल्ली ।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने मंगलवार को कहा कि हमारे प्रिय नेता राहुल गांधी ने नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान के संदेश को फैलाने की कड़ी में कीर्ति नगर फर्नीचर मार्केट में कारीगरों के साथ बनाए गए बेंच सहित अन्य फर्नीचर को प्रमिलाबाई चव्हाण मूक बधिर स्कूल, कड़कड़डूमा को प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया की मौजूदगी में डोनेट किया। लवली ने कहा कि कीर्ति नगर मार्केट में राहुल गांधी के द्वारा बनाए गए बेंचों को प्रयोग की मूक बधिर स्कूल से अछी जगह हो ही नहीं सकती।

उन्होंने कहा कि राहुल देश के प्रत्येक गरीब, आश्रित और बेसहारा लोगों की मदद करना चाहते हैं। उन्होंने स्कूल के बचों द्वारा आयोजित किए स्वागत कार्यक्रम के प्रति भी आभार प्रकट किया। लवली ने आगे कहा कि इन बचों से अछा राहुल गाधी के मोहब्बत के पैगाम का ब्रांड एम्बेसडर नहीं हो सकता इसलिए हम इस स्कूल में गए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में जिस तरीके से देश के हर वर्ग के व्यक्ति की मदद करने और उनको गले लगाया है,

कांग्रेस पार्टी भविष्य में ऐसी संस्थाओं, स्कूलों की मदद करेगी, क्योंकि कांग्रेस का इतिहास रहा है। देश के हर वर्ग का विकास करने है। वहीं प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा कि यह एक मार्मिक पल है। जब हम असहाय मूक बधिर बचों के साथ कुछ समय बिता रहे हैं। एक समय था जब मूक बधिर बचा जन्म लेता था तो कष्ट माना जाता था, परंतु कई विचारको ने इसके मायने ही बदल दिए हैं, क्योंकि नही बोलना सुनना कोई मर्यादा नही, यह सब आपकी क्षमता और आत्मविश्वास की सबसे बड़ी शक्ति है। जिसके बल पर आप सबके बराबर होकर चलते हैं। उन्हांने कहा कि मैं स्कूल चलाने वाली संस्था और काम करने वाले लोगों की जितनी प्रशंसा करु वह कम है, क्योंकि स्कूल की कामयाबी के चलते ही आत्म निर्भर बन रहे है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी की सोच गरीबों असहायों की मदद करने की परम्परा को यदि देश की सरकार द्वारा इन संस्थाओं की मदद करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया और प्रदेश अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली के अलावा पूर्व मंत्री डा. नरेन्द्र नाथ, पूर्व विधायक नसीब सिंह, हरी शंकर गुप्ता, जिला अध्यक्ष गुरचरण सिंह राजू, जितेन्द्र कुमार कोचर, निगम पार्षद समीर मंसूरी, पूर्व निगम पार्षद सुरेन्द्र प्रकाश शर्मा, लक्ष्मण रावत, हरीदत शर्मा, परमिन्दर शर्मा, राजीव शर्मा, ब्लाक अध्यक्ष दर्वेश अत्री, वर्धमान जैन और संजय शर्मा मुख्य रुप से मौजूद थे।

गलत दावा न करें... सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को दी चेतावनी, कहा- भारी जुर्माना लगाया जाएगा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने आधुनिक दवाओं और टीकाकरण के खिलाफ पतंजलि आयुर्वेद के विज्ञापनों पर नाराजगी जताई है. कोर्ट ने पतंजलि से कहा कि वह कोई भ्रामक विज्ञापन या गलत दावा न करे. कोर्ट ने पतंजलि को चेतावनी देते हुए कहा कि भारी जुर्माना लगाया जाएगा. इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से भ्रामक चिकित्सा विज्ञापनों से निपटने के लिए एक प्रस्ताव देने को कहा है. आपको बता दें कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पतंजलि विज्ञापनों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है. आपको बता दें की 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने योगगुरु और पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव की रिट याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने कोविड-19 के एलोपैथिक उपचार के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणियों को लेकर कई राज्यों में उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक एफआईआर से सुरक्षा की मांग की गई. बाबा रामदेव की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने दलील दी कि उनकी टिप्पणियां भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) या किसी अन्य अधिनियम के तहत किसी अपराध के दायरे में नहीं आतीं. यह कहते हुए कि रामदेव ने अगले दिन अपनी टिप्पणियां वापस ले लीं, दवे ने आगे कहा कि रामदेव ने चिकित्सा के एक विशेष रूप में विश्वास नहीं कर सकते ज इससे चिकित्सा के इस रूप का अभ्यास करने वाले डॉक्टरों को भी ठेस पहुंच सकती है, लेकिन कोई अपराध नहीं बनता है.

दिल्ली में पिता ने उठाया खौफनाक कदमः पहले मासूम बचे को मार डाला, फिर खुद आत्महत्या का किया प्रयास

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के भारत नागर एरिया में एक पिता ने खौफनाक कदम उठाया है। 35 वर्षीय पिता ने अपने दो मासूम बचों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसमें छोटे बचे की मौत हो गई। वहीं, बड़ा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है। बचों पर हमला के बाद उसने भी आत्महत्या का प्रयास किया। बड़े बचे और पिता अस्पताल में इलाज चल रहा है। मंगलवार को पुलिस ने बताया कि जेजे कॉलोनी निवासी राकेश ने पत्नी से विवाद के बाद अपने दो मासूम बचों (02 साल और 05 साल) पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। राकेश बेरोजगार और शराबी है। पुलिस ने बताया कि सोमवार शाम राकेश का अपनी पत्नी से विवाद हो गया और उसने खुद को दोनों बेटों के साथ एक कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद उसने बचों पर धारदार हथियार से हमला किया और बाद में आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, शाम करीब साढ़े छह बजे घटना की सूचना मिलने के बाद भारत नगर थाने की एक टीम मौके पर पहुंची। घायलों को दीप चंद बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पीएम मोदी और सीएम योगी को मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी मिली है। दाऊद इब्राहिम गिरोह से जुड़े एक व्यक्ति ने मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को एक धमकी भरा कॉल किया है।

इस कॉल में आरोपित शख्स ने दावा किया कि दाऊद गिरोह ने उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हत्या की साजिश रचने का निर्देश दिया है। साथ ही जेजे अस्पताल को उड़ाने की धमकी दी। पुलिस ने शख्स पर मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान कामरान खान नाम से हुई। बता दें कि जेजे अस्पताल महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के सबसे प्रमुख अस्पतालों में से एक है।

पुलिस ने शख्स पर आईपीसी की धारा 505 (2) के तहत केस दर्ज कर लिया गया है, जो विभिन्न धार्मिक, नस्लीय, भाषाई या क्षेत्रीय समूहों या जातियों के बीच दुश्मनी, नफरत या दुर्भावना को बढ़ावा देने वाले बयानों को देने पर लगाया जाता है। पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा, दाऊद इब्राहिम गैंग का नाम लेकर मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को धमकी भरा

कॉल करने के मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। शख्स का दावा है कि दाऊद गैंग ने उसे पीएम मोदी और यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ की हत्या करने को कहा है। कॉल करने वाले शख्स ने जेजे अस्पताल को उड़ाने की धमकी भी दी है। आईपीसी की धारा 505 (2) के तहत केस दर्ज कर लिया गया । अक्टूबर में, मुंबई पुलिस को एक मेल मिला था जिसमें धमकी दी गई कि अगर भारत सरकार 500 करोड़ का भुगतान करने और कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को रिहा करने में विफल रही तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अहमदाबाद में उनके नाम पर बने स्टेडियम को उड़ा दिया जाएगा। ईमेल में यह भी उल्लेख किया गया है कि आतंकवादी समूह ने हमलों को अंजाम देने के लिए पहले से ही लोगों को तैनात कर दिया था। पुलिस के अनुसार, धमकी भरा मेल शुरू में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को भेजा गया था, जो स्पष्ट रूप से यूरोप में उत्पन्न हुआ था और संघीय एजेंसी ने मुंबई पुलिस को इसके बारे में सचेत किया था। इससे पहले अगस्त में, केरल पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था जिसने कथित तौर पर राय की दो दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर आत्मघाती हमले की धमकी वाला पत्र लिखा था। हालांकि, बाद में पता चला कि आरोपी ने अपने पुराने दोस्त और पड़ोसी को फंसाने के लिए पत्र लिखा था।

पुरानी रंजिश में युवक को मारी गोली, एक साल पहले भी हुआ था हमला, जमानत पर बाहर आए थे आरोपी

भिवानी ।

भिवानी के गांव तालु में मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे पुरानी रंजिश के चलते बाइक पर आए तीन युवकों ने एक युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। एक गोली युवक की कमर में लगी। उसे नागरिक अस्पताल लाया गया वहीं वारदात के बाद आरोपी मौके पर ही बाइक छोड़कर भाग गए। करीब एक साल पहले भी इसी युवक पर गोली चलाकर उसकी हत्या की कोशिश की गई थी। उस समय उसके पैर में गोली लगी थी। इस संबंध में सदर पुलिस थाना में केस दर्ज हुआ था। जिसमें आरोपियों को जेल भेजा था, जमानत पर बाहर आने के बाद फिर से आरोपियों ने युवक की हत्या की कोशिश की है। फिलहाल सदर पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों की बाइक और चलाई गई गोलियों के

खाली खोल बरामद किए हैं। गांव तालू निवासी इंद्र ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे उसका बेटा 30 वर्षीय अमरजीत उर्फ काला अपने ताऊ की बैठक में बैठा हुआ था। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर तीन आरोपी वहां पहुंचे और आरोपियों ने अमरजीत पर ताबड़तोड़ गोली चला दी। उसने अपना बचाव किया लेकिन एक गोली अमरजीत की कमर पर लगी। गोली चलने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य वहां पहुंचे तो आरोपी हड़बड़ी में अपनी बाइक भी वहीं पर छोड़कर पैदल ही भाग खड़े हुए। इंद्र ने बताया कि आरोपियों में एक की पहचान आनंद के रूप में हुई है। उसने करीब एक साल पहले भी अमरजीत पर गोली चलाई थी। उस समय अमरजीत के पैर में गोली लगी थी और उसका काफी दिन इलाज चला था। तब आरोपियों के खिलाफ हत्या प्रयास का केस दर्ज हुआ था। जिसमें पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इन्द्र ने बताया कि आरोपी इन दिनों जेल से जमानत पर बाहर आए हुए हैं। उसके बेटे पर दूसरी बार हत्या करने की कोशिश में हमला हुआ है। इन्द्र का कहना है कि वारदात के बाद आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की गई, मगर वह अपनी बाइक छोड़कर भाग गए। डॉयल 112 और मुंढाल पुलिस चौकी में फोन किया, मगर करीब डेढ़ घंटे तक उन तक कोई मदद नहीं पहुंची। जिसके बाद एंबुलेंस बुलाकर गोली लगने से घायल अमरजीत को नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रोहतक पीजीआई रेफर किया है।

मिशन 2024 में जुटी बीजेपी, मुख्यमंत्री की अगुवाई में 24 नवंबर को पंचकूला में होगी अहम बैठक

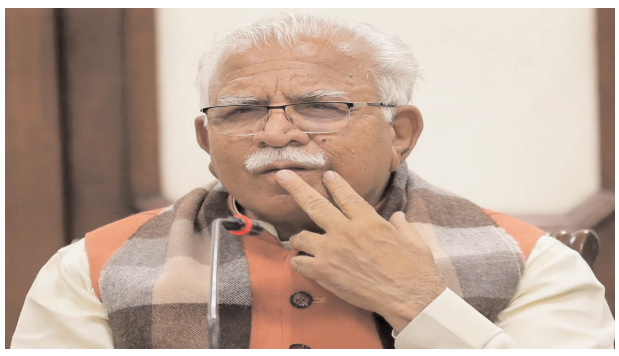

चंडीगढ़। चुनाव के लिहाज से साल 2024 हरियाणा के लिए महत्तपूर्ण होने जा रहा है। आगामी साल लोकसभा चुनाव तो होने ही हैं, साथ में हरियाणा विधानसभा चुनाव भी हैं। इसको लेकर सभी सियासी दल तैयारियों में जुट गई हैं। मिशन 2024 में पिछले चुनावी नतीजों को कैसे बरकरार रखना है उसी को लेकर 24 नवंबर को हरियाणा बीजेपी की एक अहम बैठक होने जा रही है। बैठक सुबह 11 बजे पंचकूला में होगी। हरियाणा भाजपा की मिशन 2024 की इस बैठक की अगुवाई मुख्यमंत्री मनोहर लाल करेंगे और उनके साथ पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री और विधायक भी शामिल होंगे। इतना ही नहीं, बैठक में सभी सांसद और 2019 के चुनाव में पार्टी के विधानसभा में उम्मीदवार रहे नेता, सभी जिला अध्यक्ष और प्रभारी भी मौजूद होंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में केंद्र और प्रदेश सरकार के योजनाओं को लेकर चर्चा होगी और इसके साथ ही 2024 की रणनीति पर भी मंथन होगा।

सरकार से मिले 100-100 गज के प्लाट की अभी तक नहीं हुई रजिस्ट्री, ग्रामीणों ने लघु सचिवालय गेट पर किया प्रदर्शन

सोनीपत ।

जिला प्रशासन के अधिकारियों पर गांव जुआं के ग्रामीण अनदेखी का आरोप लगा रहे हैं। बीते रोज प्रशासन के रवैये नाराज जिला पार्षद संजय ने ग्रामीणों की मांग को लेकर मुंडन कराया था। वहीं आज ग्रामीणों ने लघु सचिवालय के गेट पर अधिकारियों को नींद से जगाने और प्लाटों की रजिस्ट्री की मांग को लेकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। ग्रामीणों का आरोप है कि कांग्रेस सरकार ने बीपीएल योजना के तहत उन्हें 100-100 गज के प्लॉट आवंटित किए थे, लेकिन अभी तक उन गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले तबके के लोगों के प्लॉट की रजिस्ट्री जिला प्रशासन ने नहीं करवाया। वहीं लोगों का कहना है कि रजिस्ट्री को लेकर वह कई बार प्रदर्शन भी कर चुके हैं। हर बार केवल आश्वासन ही ग्रामीणों को मिल रहा है। जिसके चलते वह अब इस तरह के प्रदर्शन कर रहे हैं, ताकि जिला अधिकारियों की नींद टूट सके और उनकी मांग पूरी की जा सके। जिला पार्षद संजय बड़वासनी व अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गरीब परिवारों के हक के लिए लड़ाई लड़ी जा रही है, लेकिन जिला प्रशासन के आला अधिकारी बार बार आश्वासन देकर उन्हें गुमराह कर रहे हैं। उनके प्लॉट की रजिस्ट्री अभी तक नहीं की गई है। जिसको लेकर हमने कल अपना मुंडन करवाया था और आज हमने अधिकारियों को जगाने के लिए और उन्हें सद्बुद्धि देने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया है, ताकि अधिकारी जाग कर ग्रामीणों की समस्या का समाधान कर सकें।

रोहिणी कोर्ट के मुंशी की बेटी से लूट, दवा लेने आई थी, धक्का देकर मोबाइल-नकदी ले गए बाइक सवार

रोहतक (हरियाणा) ।

रोहतक के डेयरी मोहल्ले में तीन बाइक सवार मेडिकल स्टोर पर बहन को दवा दिलवा रही 20 वर्षीय युवती का मोबाइल फोन व 500 रुपये की नकदी लूटकर ले गए। साथ ही उसे धक्का देकर गिरा दिया, जिससे उसके दांत हिल गए। युवती के पिता दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में बतौर मुंशी कार्यरत हैं। इस संबंध में पुरानी सब्जी मंडी थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में डिंपी ने बताया कि उसकी छोटी बहन रेखा बीमार है। सोमवार रात करीब आठ बजकर 25 मिनट पर वह उसे दवाई दिलवाने के लिए नजदीक के मेडिकल स्टोर पर लेकर आई थी। रेखा दवाई ले रही थी, जबकि वह सीढ़ियों पर खड़ी थी। तभी बाइक पर तीन युवक आए। पीछे बैठे युवक ने उसी जेब से जबरन मोबाइल फोन निकाल लिया। फोन के कवर में 500 रुपये की नकदी भी थी। उसने विरोध किया तो उसे धक्का दे दिया, जिससे वह मुंह के बल गिर गई। उसने एक बुजुर्ग से सहायता मांगी और उसकी स्कूटी पर बैठकर पाड़ा मोहल्ले तक बाइक सवार युवकों का पीछा किया, लेकिन युवक भीड़ में गायब हो गए। मामले की सूचना पाकर पुरानी सब्जी मंडी

थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के कैमरों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली। एक फुटेज में 8 बजकर 26 मिनट पर तीन युवक दिखाई दे रहे हैं, लेकिन अंधेरा व वाहनों की रोशनी के चलते बाइक का नंबर नजर नहीं आ रहा है। डिंपी के पिता राजेंद्र का कहना है कि पुलिस तत्काल आरोपियों को गिरफ्तार करे। लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। आसपास के सीसीटीवी कैमरों से साफ सीसीटीवी फुटेज ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है। - इंस्पेक्टर सतपाल सिंह, प्रभारी, थाना पुरानी सब्जी मंडी।

निर्वाचन आयोग ने जारी किए दिशा निर्देश; 18 साल तक के सभी युवाओं की बनेगी वोट, 24 व 25 नवंबर को लगेंगे विशेष कैंप

सोहना। हरियाणा में होने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनावों को देखते हुए चुनाव निर्वाचन आयोग भारत सरकार द्वारा विशेष आदेश जारी किए गए हैं। बता दें कि इलेक्शन कमीशन द्वारा 2024 के चुनावों को देखते हुए 18 साल तक के सभी युवाओं की वोट चुनावों से पहले बनाने का फैसला लिया है। उन सभी युवाओं की वोट बनाने के लिए प्रदेश सरकारों को आदेश जारी किए गए हैं जिनकी आयु जनवरी 2024 तक 18 साल हो जाएगी। इलेक्शन कमीशन भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों को अमलीजामा पहनाने के लिए हरियाणा चुनाव आयोग द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है और 24 व 25 नवंबर को बूथ स्तर पर उन सभी युवाओं की वोट बनाने का अभियान चलाया जाएगा। जिन युवाओं की आयु जनवरी 2024 में 18 साल की हो जाएगी।

अवैध शराब की बिक्री रोकने को लेकर हरियाणा पुलिस का धरपकड़ अभियान जारी, 444 हुई एफआईआर व 436 गिरफ्तार

चंडीगढ़। पुलिस विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रोजाना अवैध शराब की बिक्री करने वाले खुर्दो की धरपकड़ करते हुए सख्त से सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के तहत 11 नवंबर से लेकर 20 नवंबर तक 444 एफआईआर दर्ज करते हुए 436 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर

ने बताया कि प्रदेश में अवैध शराब की बिक्री करने वाले खुर्दो को पकड़ने के लिए पुलिस विभाग की कई टीमें जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सक्रियता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब की बिक्री को रोकने के लिए प्रदेश में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को तुरंत पकड़ा जा सके।

जिलाधिकारी की देख- रेख में क्रॉप कटिंग की कार्यवाही संपन्न

बलिया।

आज जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार की निगरानी में तहसील सदर, विकासखंड हनुमानगंज के राजस्व ग्राम पकड़ी में खरीफ फसल धान की क्राफ्ट कटिंग की कार्यवाही संपन्न हुई।

इस दौरान मौके पर संबंधित कर्मचारियों द्वारा रैंडमली ऑनलाइन चयनित ग्राम के एक खेत में समबाहु त्रिभुज के प्रति 10 मीटर भुजा वाले क्षेत्र के अंतर्गत खरीफ फसल धान की कटाई एवं उससे प्राप्त धान का वजन किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सही आंकड़े शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए,जिससे वास्तविक आंकड़े ही परिलक्षित हो। क्रॉप कटिंग या फसल कटाई के प्रयोग द्वारा फसल की औसत पैदावार निकाली जाती है। क्रॉप कटिंग के आधार पर ही जनपद के कृषि उत्पादन के आंकड़े तैयार करके शासन को भेजे जाते हैं। क्रॉप कटिंग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर फसल बीमा धारक को नुकसान का मुआवजा दिया जाता है। कृषि विभाग जनपद के समस्त क्षेत्रों के क्रॉप कटिंग आंकड़ों का औसत निकाल कर शासन को भेजता है। इसके आधार पर ही जनपद में विभिन्न फसलों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता का निर्धारण किया जाता है। इस दौरान नायब तहसीलदार भोलाशंकर राय, राजस्व निरीक्षक अवधेश मिश्रा, कृषि विभाग के अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल क्रियान्वयन हेतु डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक

प्रत्येक ग्राम पंचायतों में एलईडी वैन के साथ कैम्प के माध्यम से योजनाओं की दी जाएगी जानकारी

देवरिया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल क्रियान्वयन के दृष्टिगत जिलाधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन के गांधी सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। इस दौरान उन्होंने योजनाओं के संतृप्तीकरण के लिए आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने तथा छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाये जाने के संबंध में संबंधित सभी विभागों को कार्य योजना प्रस्तुतीकरण एवं अपने विभाग से जुडे अधिकारियों को संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन एवं जागरुकता हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक दशा में महत्वाकांक्षी योजनाओं का विशेष तौर पर उसके प्रचार प्रसार जागरुकता एवं सफलता की कहानियों का व्यापक रुप से प्रदर्शित किया जाये एवं जन कल्याणकारी पेंशनपरक योजनाओं के लाभार्थियों की केवाईसी कार्य को भी इस दौरान अभियान के रुप में शिविर के माध्यम से उसे शत प्रतिशत पूरा कराया जाये। किसी भी दशा में केवाईसी से संबंधित कोई प्रकरण न छूटे इस पर विशेष रुप से ध्यान दिया जाये। बैठक के दौरान विकसित भारत संकल्प यात्रा के मुख्य उद्देश्यों के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि प्रमुख योजनाओं का लाभ, लक्षित लाभार्थियों (खास तौर से वंचित व असंतृप्त लोगों) तक समयबद्ध तरीके से जन सामान्य को जागरूक करते हुए वंचितों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। लाभार्थियों के सफलता की कहानियों एवं अपने अनुभव साझा करने के माध्यम से सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी एकत्रित करना। कैम्प में योजना से वंचित पात्र व्यक्तियों को प्राप्त विवरण द्वारा संभावित लाभार्थियों का नामांकन एवं चयन, आवश्यक वित्त पोषण सेवाएँ, एलपीजी कनेक्शन, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, उचित पोषण, विश्वसनीय स्वास्थ्य सुविधाएँ, स्वच्छ पेयजल, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, शिक्षा आदि बुनियादी सुविधाओं जैसी प्रमुख योजनाओं का संतृप्तीकरण करना एवं लोगो में इसके प्रति जागरुकता लाना है। जिलाधिकारी ने संबंधित समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि गांवों में आयोजित कैम्प के माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ छूटे एवं पात्र लाभार्थियों को चिन्हित करते हुये लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के सही तरीके मॉनिटरिंग किये जाने, कार्यक्रम में लगाये गये कैम्प के दौरान आने वाली शिकायतों पर भी ध्यान देंते हुए निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित करना होगा। साथ ही उन्होंने प्रत्येक दिवस में आयोजित होने वाली गतिविधियों से संबंधित फोटोग्राफ्स को पोर्टल पर अपलोड कराया जाने के निर्देश भी दिए। मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा हेतु शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप सभी कार्यक्रम समयबद्ध, पूर्ण सुचिता के साथ क्रियान्वित करते हुए सभी लाभार्थीपरक योजनाओ अंतर्गत वंचितों को लाभ से जोड़ने का कार्य पूरी प्राथमिकता के साथ आयोजित शिविरों के माध्यम से संबंधित अधिकरी सुनिश्चित करेगें। उन्होने कहा कि यात्रा का यह कार्यक्रम 60 दिनो तक संचालित होगा। इस अवधि में सभी नगर विकाय क्षेत्रों सहित समस्त ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किये जायेगें जिसके कार्यक्रम की रुप रेखा संबंधित विभाग तैयार करेगें। तदअनुरुप उसका क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करायेगें। जिला विकास अधिकारी रवि शंकर राय द्वारा इस अवसर पर कार्यक्रम की सम्पूर्ण रूप रेखा, समस्त विभागों द्वारा किये जाने वाले कार्यो, सहित सभी आवश्यक जानकारियां दी गई। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को प्रभावी बनाये जाने हेतु जनपद में 09 एलईडी वैन चलाई जाएगी जिसका रूट चार्ट तैयार कर शासन द्वारा प्रात दिशा निर्देशों के अनुरुप कार्यक्रम सुनिश्चित कराया जायेगा।

हिंदुस्तान की महबूब शायरा, नुसरत अतीक़ ने बहुत कम वक्त में कामयाबी की मंजिलें तय की हैं- फर्रुख जमाल

गोरखपुर ।

अदबी दुनियां में बहुत ही कम उम्र में अपनी बेहतरीन शायरी और दिलकश आवाज़ की बदौलत देश विदेश में अपना एक स्थान बनाने वाली अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायरा नुसरत अतीक को शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान व सृजन साहित्यिक एंव सामाजिक संस्था उन्नाव की जानिब से सृजन शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया । इस अवसर पर आयोजित कार्यकर्म में उन्हें सनद, मोमेंटो अंगवस्त्र के अतिरिक्त 25,000 / की धनराशि भी भेंट की गयी । इस अवसर पर कवयित्री सारिका, हेमा पाण्डेय, कवयित्री एवं नेत्री सोनी अवस्थी शुक्ला, समाजसेविका डॉ0 मनिता सिंह सेंगर आदि मौजूद थे।उल्लेखनीय है कि नुसरत अतीक ने बहुत ही कम समय में बहुत सी बेहतरीन गज़लें नज्में और शेर लिखे हैं और उनकी नज़्मों और गज़लों के चार संग्रह एहसास की अमर बेल उर्दू भाषा एवम देवनागरी में, सुलगते एहसास उर्दू में और एहसास का दर्पण देवनागरी में प्रकाशित हुए हैं। यह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है । अपने बेहतरीन कलाम और पढ़ने के दिलकश अंदाज से उन्होंने देश विदेश में अपना एक मुकाम हासिल किया है।शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान व सृजन साहित्यिक एंव सामाजिक संस्था उन्नाव की जानिब से सृजन शिखर सम्मान से उन्हें सम्मानित किए जाने पर उनके परिवार वालों और प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई है और प्रशंसकों द्वारा बधाई दिए जाने का सिलसिला जारी है। मोहम्मद फर्रुख जमाल आकाशवाणी गोरखपुर ने इस मौके पर उन्हें मुबारकबाद देते हुए कहा कि नई नस्ल की तर्जुमानी करने वाली हिंदुस्तान की महबूब शायरा, नुसरत अतीक़ ने बहुत कम वक्त में कामयाबी की मंजिलें तय की हैं। उनके कलाम की पुख़्तगी और उनके पढ़ने के अंदाज़ ने लोगों को मजबूर किया कि नुसरत अतीक़ को अपने मुशायरे में दावत दें। नुसरत के कलाम में जहां एक तरफ़ क़दीम शोअरा के कलाम का रंग है , वो हीं दूसरी तरफ़ हालात ए हाज़रा पर भी उनकी ज़बरदस्त गिरफ्त है। अभी उनको और परवाज़ करना है यही दुआ है मेरी।

वरिष्ठ पत्रकार एवं शायर एहतेशाम अफ़सर ने कहा कि नुसरत अतीक को मिले इस सम्मान से न केवल उनके परिवार वालों प्रशंसकों बल्की पूरे गोरखपुर का सर बुलन्द हुआ है। उस्ताद शायर मोहम्मद अनवर ज़िया ने उनके सम्मान पर उन्हें मुबारकबाद दी है।

यातायात नियम उलंघन करने पर नहीं बख्शे जाएंगे पुलिसकर्मी, चालान के साथ होगी लाइन हाजिर की भी कार्रवाई

बरेली।

उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद में।यातायात नियमों को लेकर पुलिस प्रशासन सख्त हो गया है। आम जनता के साथ-साथ अब नियम तोड़ने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। यहां तक कि उनके चालान के साथ-साथ उन्हें लाइन हाजिर भी किया जाएगा। आईजी डॉ राकेश कुमार ने यातायात माह को लेकर पुलिस लाइन स्थित रविंद्रालय में यातायात सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान, एसपी ट्रैफिक राम मोहन सिंह समेत तमाम पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान आईजी डॉ राकेश कुमार ने बताया कि यातायात नियमों को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही पुलिस वालों को भी यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए जो पुलिसकर्मी यातायात के नियमों का पालन नहीं करेंगे उनके चालान काटे जाएंगे। इसके साथ ही उन्हें लाइन हाजिर भी किया जाएगा। उन्होंने एसएसपी को निर्देश दिए हैं कि यातायात के नियम न मानने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सभी को बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना चाहिए। कार में बैठे हुए लोगों को सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए, जिससे वह लोग सुरक्षित रहें। आगे कहा कि अगर हम यातायात नियमों का पालन नहीं करेंगे तो दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मण्डल का 27वां स्थापना दिवस सामारोह

गोण्डा ।

मण्डल का 27वां स्थापना दिवस सामारोह बार एसोसिएशन सभागार में मुख्य अतिथि मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र, विशिष्ट अतिथि गण डी आई जी,मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश की गरिमामयी उपस्थिति में सैकड़ों अधिवक्ताओं के बीच हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, महामंत्री चंद्रमणि तिवारी, सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष संगम लाल द्विवेदी, महामंत्री दिनेश नारायण पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान माल्यार्पण से किया। अध्यक्षगण, महामंत्रीगण अपनी कार्यकारिणी के साथ मण्डलायुक्त से मांग किया कि, सत्ताईस बरस स्थापना के बाद भी मण्डल स्तर के तमाम कार्यालय देवीपाटन मण्डल मुख्यालय पर स्थापित नहीं किये गये हैं। जिसे जनहित में शीघ्र स्थापित कराये जायें। सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संगम लाल द्विवेदी जो मण्डल स्थापना के संघर्ष के दिनों में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष थे संघर्ष को याद करते हुए कहा कि,मण्डल की स्थापना में मुख्यालय के अधिवक्ताओं ने लम्बा संघर्ष किया है। जिसकी सफलता के रुप में मण्डलायुक्त का कार्यालय स्थापित है।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने कहा कि,अगर शीघ्र बचे मण्डलीय कार्यालय स्थापित नहीं हुए तो अधिवक्ता संघर्ष के लिए फिर उठ खड़ा होगा। मुख्य अतिथि मण्डलायुक्त ने अधिवक्ताओं को सर्वप्रथम स्थापना दिवस की बधाई देते हुए सम्बोधित किया कि,मण्डल कार्यालय पर शेष बचे मण्डीय कार्यालय जल्द स्थापित होंगे। अधिवक्ता समुदाय मेरा शिक्षक है। मैं विधि और कोड नित प्रतिदिन सीखता चला आ रहा हूँ। अधिवक्ताओं और आम जनमानस के लिए मैं व्यक्तिगत रुप से और पूरा प्रशासन सदा साथ खड़ा है। मुख्य अतिथि ने अपनी पंक्तियों में कहा कि,मुस्कुरा कर मिला करो हमसे, कुछ कह कर हमसे,कुछ सुना करो हमसे। उक्त मण्डल स्थापना दिवस सामारोह में पाटेश्वरी दत्त पाण्डेय, अरविन्द कुमार शुक्ल,अशोक कुमार सिंह, संजय कुमार शुक्ल, देवेन्द्र कुमार शुक्ल, प्रमोद कुमार चौबे, दिवाकर श्रीवास्तव, देवेन्द्र कुमार सिंह, रवि प्रताप शुक्ल, राम फेर प्रजापति, अवध बिहारी शरण पाण्डेय, आदित्य तिवारी, तपसी राम सोनकर, रामप्रकाश सिंह,पूर्व अध्यक्षगण महाराज कुमार श्रीवास्तव, के के पाण्डेय, के के मिश्र,माधवराज मिश्र, राजेश कुमार मिश्र सहित अरुण कुमार सिंह नेवारी, राजेश श्रीवास्तव, दिनेश मिश्र प्रखर,विनय कुमार शुक्ल अक्षत,विश्वनाथ गुप्ता पूर्व महामंत्री अनिल कुमार सिंह आदि सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थिति रहे।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टीम में दो नए चेहरे

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड और मैथ्यू फोर्ड के रूप में दो नए चेहरे अपनी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए हैं। विकेटकीपर शेन डाउरिच और सलामी बल्लेबाज केजॉर्न ओटले की टीम में वापसी हुई है। डाउरिच ने अपना एकमात्र वनडे मैच 2019 में खेला था जबकि ओटले ने जनवरी 2021 में दो वनडे मैच खेले थे। शाई होप की अगुवाई वाली टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन और छह दिसंबर को एंटीगा तथा नौ दिसंबर को बारबाडोस में वनडे मैच खेलेगी। इसके बाद दोनों टीम के बीच पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। वनडे श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है - शाई होप (कप्तान), एलिक अथानाज़े, यानिक कारिया, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज़, शेन डाउरिच, मैथ्यू फोर्डे, शिम्रोन हेटमायर, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, केजोर्न ओटले, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, ओशाने थॉमस।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को झटका, स्टार ओपनर बल्लेबाज टीम से बाहर

नई दिल्ली ।

विश्व कप जीतने के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलेगी। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 23 नवंबर से खेली जाएगी। विशाखापट्टनम में होने वाले शुरुआती मैच से ठीक पहले कंगारू टीम को बड़ा झटका लगा है। ओपनर बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। वॉर्नर ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने टीम के लिए 11 मैचों में सबसे यादा 535 रन बनाए थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के अनुसार, 37 वर्षीय वॉर्नर उन खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं जो सीरीज में नहीं खेलेंगे। उनके अलावा विश्व कप विजेता कप्तान पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन और मिचेल

मार्श के साथ मिचेल स्टार्क भी भारत के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। कंगारू टीम को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद पाकिस्तान के खिलाफ 14 दिसंबर से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। ऑलराउंडर एरॉन हार्डी को टी20 टीम में शामिल किया गया है। केन रिचर्डसन टी20 सीरीज में स्पेंसर जॉनसन की जगह लेंगे। वनडे विश्व कप फाइनल के ठीक चार दिन बाद शुरू होने के बावजूद यह सीरीज वेस्टइंडीज और अमेरिका में अगले साल के टी20 संस्करण की तैयारी का हिस्सा है। वेस्टइंडीज और यूएसए में अगले साल के टी20 संस्करण की शुरुआत से पहले ऑस्ट्रेलिया छह और टी20 सीरीज खेलेगा। 35 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज मैथ्यू वेड भारत के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में टीम का नेतृत्व करेंगे।

टी20 सीरीज के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलियाः मैथ्यू वेड (कप्तान), ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, जोश इंग्लिस, एरॉन हार्डी, जेसन बेहरेनडॉर्फ, सीन एबॉट, नाथन एलिस, केन रिचर्डसन, एडम जम्पा, तनवीर संघा।

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), ईशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान और मुकेश कुमार।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले उमर गुल बने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी कोच, सईद अजमल को मिली यह जिम्मेदारी

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट इन दिनों बदलाव के दौर से गुजर रहा है। विश्व कप में टीम के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद कोच से लेकर कप्तान तक बदल दिए गए हैं। इसी क्रम में अब नए तेज गेंदबाजी और नए स्पिन गेंदबाजी कोच का एलान हुआ है। पीसीबी ने पूर्व खिलाड़ी उमर गुल और सईद अजमल को बड़ी जिम्मेदारी दी है। गुल को तेज गेंदबाजी कोच और अजमल को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया गया है। हाल ही में शान मसूद को टेस्ट और शाहीन अफरीदी को टी20 का कप्तान बनाया गया था।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज क्रिकेट डायरेक्टर और वहाब रियाज मुख्य चयनकर्ता बने हैं। उमर गुल और सईद अजमल 2009 में टी20 विश्व कप जीतने वाली पाकिस्तानी टीम के सदस्य हैं। गुल तेज गेंदबाजी कोच के रूप में दक्षिण अफ्रीका के मोर्ने मोर्कल की जगह लेंगे। वह अजमल के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम के साथ काम शुरू कर देंगे। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया में 14 दिसंबर से सात जनवरी के बीच तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। उसके बाद 12

से 21 जनवरी तक न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज में हिस्सा लेना है। उमर गुल से इससे पहले पाकिस्तान की टीम के साथ काम कर चुके हैं। वह अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान टीम के गेंदबाजी कोच थे। गुल पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के गेंदबाजी कोच रह चुके हैं।

इसके अलावा वह 2022 टी20 विश्व कप के दौरान अफगानिस्तान के गेंदबाजी कोच थे। गुल ने 2003 में पाकिस्तान के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने 47 टेस्ट, 130 वनडे और 60 टी20 मैचों में हिस्सा लिया। गुल ने टेस्ट में 163, वनडे में 179 और टी20 में 85 विकेट लिए हैं। उन्होंने 2016 में अपना आखिरी मैच खेला था। सईद अजमल की बात करें तो वह वनडे में नंबर-1 गेंदबाज रह चुके हैं। उन्होंने 2008 में उन्होंने पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। पाकिस्तान के लिए 35 टेस्ट, 113 वनडे और 64 टी20 मैचों में अजमल ने कुल 447 विकेट लिए। वह पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड के स्पिन गेंदबाजी कोच रह चुके हैं।

टीम इंडिया के क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर की हुई सगाई, पोस्ट किया शानदार फोटो

नई दिल्ली। टीम इंडिया के क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर अब 'नई पारी' खेलने के खेलने के लिए तैयार हैं. वेंकटेश की सगाई हाल ही में श्रुति रघुनाथन के साथ हुई है जिसका फोटो मध्य प्रदेश के इस क्रिकेटर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है.इस फोटो में ग्रीन कलर का कुर्ता पहने वेंकटेश और पर्पल कलर की साड़ी पहने श्रुति, एक-दूसरे के साथ हैं.पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'जिंदगी के अगले चेप्टर की ओर..' कई क्रिकेटरों ने इस मौके पर वेंकटेश को बधाई दी है जिसमें अर्शदीप सिंह, अवेश खान, मनदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, नमन ओझा और युजवेंद्र चहल प्रमुख रूप से शामिल हैं. बता दें, मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में जन्मे 28 वर्षीय वेंकटेश ने भारत की ओर से दो वनडे और 9 टी20 मैच खेले हैं.बाएं हाथ से आक्रामक बैटिंग के साथ मध्यम तेज गेंदबाजी भी करने वाले वेंकटेश को शॉर्टर फॉर्मेट के बेहतरीन प्लेयरों में शुमार किया जाता है.दो वनडे इंटरनेशनल में 24 रन उन्होंने बनाए हैं. 9 टी20 Iकी सात पारियों में दो बार नाबाद रहते हुए 33.25 के औसतसे 133 रन और 15.00 के औसत से पांच विकेट उनके नाम पर दर्ज हैं. टी20ढ्ढ में नाबाद 35 रन और 23 रन देकर दो विकेट, वेंकटेश को बैटिंग और बॉलिंग का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम से वेंकटेश खेलते रहे हैं. IPL के 36 मैचों में अब तक उन्होंने 28.12 के औसत और 130.25 के स्ट्राइक रेट से 956 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक हैं, तीन विकेट भी उन्होंने हासिल किए हैं. मध्य प्रदेश की ओर से 12 प्रथम श्रेणी मैचों में उन्होंने 32.50 के औसत से 585 रन बनाए हैं जिसमें छह अर्धशतक हैं.

टीम में नहीं चुने जाने पर भी चहल की मुस्कान बरकार, सैमसन के लिए चयनकर्ताओं पर भड़के फैंस

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया है। टी20 सीरीज की शुरुआत 23 नवंबर को विशाखापट्टनम में होगी। विश्व कप टीम में शामिल चार खिलाड़ियों को चुना गया है। इनमें से श्रेयस अय्यर आखिरी दो मैचों के लिए टीम के साथ जुड़ेंगे। सूर्यकुमार के अलावा ईशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा को जगह मिली है। वहीं, अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और विकेटकीप-बल्लेबाज संजू सैमसन को नजरअंदाज किया गया है। भारत के लिए 80 टी20 खेलने वाले चहल ने टीम में नहीं चुने जाने पर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सिलेक्शन नहीं होने पर उनके चेहरे पर मुस्कान बरकरार है। उन्होंने अपनी पोस्ट में कुछ नहीं लिखा। चहल ने सिर्फ एक मुस्कान वाली इमोजी शेयर की। इसे देखकर फैंस भावुक हो गए। उन्होंने कमेंट में चहल का समर्थन किया। 80 टी20 मुकाबलों में इस स्पिनर ने 96 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपने पिछले 10 टी20 मुकाबलों में नौ विकेट लिए हैं। दूसरी ओर, 24 टी20 खेलने वाले संजू को भी बाहर रखा गया है। उन्होंने इस फॉर्मेट में देश के लिए 19.68 की औसत और 133.57 की स्ट्राइक रेट से 374 रन बनाए। इस दौरान सैमसन का उचतम स्कोर 77 रन है। संजू ने पिछले पांच टी20 में तीन बार बल्लेबाजी की। वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 रन पर आउट हुए थे। उसके बाद आयरलैंड के खिलाफ एक रन बनाकर नाबाद रहे। फिर इसी टीम के खिलाफ 40 रन की पारी खेली थी।

समझ नहीं आया रोहित ने स्लिप क्यों नहीं ली.., फाइनल की हार पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान बट की राय

नई दिल्ली। वर्ल्डकप 2023 के फाइनल में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा. रोहित शर्मा ब्रिगेड ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुर हर किसी को प्रभावित किया लेकिन एक 'खराब दिन' उसका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा और ऑस्ट्रेलिया से मिली 6 विकेट की हार के साथ टीम का वर्ल्ड चैंपियन बनने का सपना टूट गया. पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान और बेहतरीन बैटर सलमान बट ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिताबी मुकाबले के प्रदर्शन को सराहा है. बट ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'फाइनल में ऑस्ट्रेलिया अलग टीम लगी.उसने भारतीय टीम को सांस नहीं लेने दी.फाइनल में उसकी फील्ड प्लेसमेंट अलग ही थी.' पाकिस्तान के इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा,'ऑस्ट्रेलिया प्लेयर्स ने बॉलिंग करते हुए गेंद की गति में लगातार बदलाव किया.उन्हें रेगुलर

विकेट मिलते रहे और टीम ने पुरानी बॉल पर काफी कम हिट खाईं.' उन्होंने कहा कि टॉस से इंडिया ने थोड़ी सी हिम्मत हारी.हालांकि शुरुआत अच्छी हुई और रोहित शर्मा आउट क्लास खेले. मुझे लगता है कि इनसे गलती यह है कि बड़े मैच, वर्ल्डकप के फाइनल जैसे मैच में आपको 'पार स्कोर' को पकड़ना चाहिए. जब आप इस स्कोर को पा लें तो 'किक ऑन' करें. ऑस्ट्रेलिया ने असाधारण बॉलिंग की.इंडिया ने वह स्थिति नहीं देखी थी कि रोहित और विराट, दोनों आउट हो जाए और 25 ओवर बचे हों.इस मैच में ऐसी स्थिति आई.मैच में रोहित शर्मा ने अपनी विकेट खुद ऑस्ट्रेलिया को दी जबकि विराट कोहली अनलकी रहे. ऑस्ट्रेलिया की बैटिंग के दौरान भारतीय स्पिनर्स के ओवर्स में स्लिप नहीं लगाने की कप्तान रोहित शर्मा की रणनीति पर भी उन्होंने सवाल उठाया. बट ने कहा-मुझे लगता है कि सूर्यकुमार यादव ने यादा जिम्मेदारी नहीं ली. मुझे समझ में नहीं आया कि सूर्यकुमार क्या कर रहे थे.जब वे टेलएंडर्स के साथ बैटिंग कर रहे थे तो उन्हें यादा बॉल खुद खेलनी चाहिए थीं लेकिन बड़े शॉट खेलने के बजाय वे सिंगल लेकर नॉन स्ट्राइकर एंड पर जाते रहे.कोहली के आउट होने के बाद भारत कहीं से भी संभल नहीं सका. ऑस्ट्रेलिया की बैटिंग के दौरान पहले 10-15 ओवर में भारत को स्विंग मिला.

श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय, प्रधानमंत्री, भारत सरकार

सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग

सीडी-II, IV, XI, XIII में विकास एवं निर्माण कार्य में

हजारो करोड़ के घोटाले

की निदेशक, सीबीआई व ई.डी से जांच कराने की मांग।

छठ घाटो में टेन्ट, पानी टेंकर व मरम्मत के फर्जी बिल लगाकर किए गए करोड़ो के घोटाले !

I&FC, CD-II, IV, XI, XIII के ई.ई ए.सुरन कुमार, सुधीर कुमार आर्य, बी.डी.शर्मा, गगन गौड़, ए.ई, जे.ई ने ठेकेदारों की मिलीभगत से दिल्ली के विधानसभा क्षेत्रों के विकास एवं निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री और फर्जी बिल बनाकर कर रहे है अपना समाजवाद दूर!

भ्रष्टाचारियों व कमिशन खोरो का अड्डा बना सिचाई विभाग का सतर्कता कार्यालय: बसई दारापुर?

दिल्ली सरकार के खजाने की खुली लूट

विज्ञापन..... **निवेदक: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा**